देश के प्रत्येक वर्ग को आजीविका की गारंटी कैसे मिल सकती है ?

जब निम्न प्रावधान लागू कर दिए जाएं:-

1. **विधार्थी** के लिए पढ़ाई व दवाई एक समान साधन सहित मुफ्त हो और जो भी पढाई के लिए आवश्यक है जैसे कॉपी, किताब, ड्रेस इत्यादि उसे मुफ्त मिले । दोपहर के भोजन की व्यवस्था मुफ्त हो । जिन्होंने हिन्दुस्तान में पढ़ाई की है उनके सारे ऋण /लोन माफ़ किए जाएं । जिन्होंने देश के बाहर पढ़ाई की है उनके ऋण का ब्याज 0.01 % प्रति वर्ष कर दिया जाए ।

2. **किसान** के लिए फसल की खरीद की गारंटी, समय पर उचित मूल्य की गारंटी व फसल खराब होने पर उचित मुआवजे की गारंटी हो । किसान के सारे ऋण / लोन माफ कर दिए जाएं । नदियों का पानी व जैविक खाद का मुफ्त प्रबंध हो । गांव गांव में गुड बनाया जाए और उसके लिए कोहलू लगे । 60 वर्ष के ऊपर के किसानों को 5000 रुपए प्रतिमाह पेंशन की व्यवस्था हो ।

3. **मजदूर** के लिए प्रत्येक शाम को मजदूरी मिले । साईकिल का चलन हो । मिट्टी के बर्तनों का चलन हो । 60 वर्ष से अधिक के मजदूरों को 5000 रुपए प्रति माह पेंशन की व्यवस्था हो । स्थाई मजदूरों को पेंशन 2.50 प्रतिशत प्रत्येक प्रति वर्ष पूरा करने पर या आखरी वेतन का 50%, जो दोनों में ज्यादा हो दिया जाए ।

4. **कर्मचारी** के लिए सप्ताह में 28 कार्य घंटे (ड्यूटी) हो और सप्ताह में 7 दिन कार्य हो । पेंशन की व्यवस्था 2.50 प्रतिशत प्रति वर्ष पूरा करने पर या आखरी वेतन का 50%, जो दोनों में अधिक हो दिया जाए ।

5. **व्यापारी व स्वयं रोजगार करने वालों** के लिए केवल तीन कर हो । उत्पाद शुल्क, बिक्री कर व सेवा कर और वह भी अनुपातिक हो । घरेलू उधोग व सहकारिता को प्रोत्साहन मिले । न्यूनतम 5000 रुपए महीने की पेंशन की व्यवस्था हो । ऐसा प्रावधान किया जाए कि जिसने जितना करो की आमद या प्रोजेक्ट समता कर के आधीन किए हो , के योगदान के अनुसार पेंशन की व्यवस्था हो ।

   मजदूर, कर्मचारी व व्यापारी/अपने आप रोजगार करने वालों के 2 लाख तक के ऋण/लोन माफ कर दिए जाएं ।

   असहाय: बच्चे, अनाथ, बूढ़े व विकलांग जो ऊपर लिखित किसी ना किसी एक वर्ग पर निर्भर करते हैं उनका जीवन तब तक खुशहाल नहीं हो सकता, जब तक समाज के प्रत्येक वर्ग को आजीविका की गारंटी ना हो । इनके लिए ऐसे घर बनाए जाएं जहां विकलांग व उनके माता-पिता, अनाथ व बूढ़े सब एक साथ अलग-अलग खंडों में और एक ही परिसर में रह सकें । इससे विकलांगों के माता पिता के मन में उठने वाले सारे प्रश्नों का समाधान होगा । जैसे हमारी मृत्यु के बाद इन बच्चों का क्या होगा ?

ऐसे घरों का निर्माण प्रत्येक गांव के ब्लॉक में व प्रत्येक शहर में किया जाए । इन परिसरों में फिजियोथेरेपी व नर्सिंग के लिए एक विशेष पाठशाला की भी व्यवस्था की जाए । यहां प्रत्येक प्रकार की अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान की जाए जो मुफ्त उपलब्ध हो । यह सब कुछ बहुत आसानी से समता कर के आधीन किया जा सकता है ।

अगर आप चाहते हैं कि अपना देश हिन्दुस्तान स्वर्ग बने तो यह अति आवश्यक है कि समाज के प्रत्येक वर्ग को आजीविका की गारंटी हो जो कि प्रत्येक विधार्थी, किसान, मजदूर, कर्मचारी व व्यापारी/स्वयं रोजगार करने वाले को उपलब्ध हो । असहायों के लिए एक विशेष प्रबंध किया जाए ।

श्री परमधाम, मेरठ